बिहार सरकार
आपदा प्रबंधन विभाग

प्रेस नोट

दिनांक–06.09.2016

गंगा नदी के बढ़े हुए जल स्तर एवं तेज जल प्रवाह के कारण गंगा नदी के किनारे अवस्थित सभी जिलों में कमोवेश बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गयी थी। बाढ़ से प्रभावित सभी जिलों में युद्ध स्तर पर राहत एवं बचाव कार्य किया गया। प्रभावित लोगों को एन0डी0आर0एफ0 एवं एस0डी0आर0एफ0 के सहयोग से जिला प्रशासन द्वारा बाढ़ग्रस्त/दियारा क्षेत्रों से सुरक्षित निकालकर राहत कैम्पों में लाया गया, जहाँ उनके लिए पका हुआ भोजन, पीने का पानी, महिला एवं पुरूषों के लिए अलग–अलग शौचालय, स्वास्थ्य जाँच, जरूरी दवाएँ, साफ–सफाई एवं प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था की गई। वर्त्तमान में बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों से काफी तेजी से बाढ़ का पानी निकल रहा है, एवं स्थिति सामान्य हो रही है। उक्त क्षेत्रों में महामारी से बचाव के लिए बड़े पैमाने पर ब्लीचिंग पाउडर, डी०डी०टी० पाउडर आदि का छिड़काव कराया जा रहा है। बाढ़ से प्रभावित परिवारों के बीच मुफ्त साहाय्य (Gratuitous Relief) का वितरण किया जा रहा है। बाढ़ से बड़े पैमाने पर गृह, फसल, पशु एवं आधारभूत संरचनाओं आदि की क्षति हुई है, जिनके अनुमानित मुल्य का आक्कलन किया जा रहा है।

1.	प्रभावित जिलो का नाम एवं संख्या –	कुल जिले 12 हैं। बक्सर, भोजपुर, पटना, वैशाली, सारण, बेगूसराय, समस्तीपुर, लखीसराय, खगड़िया, मुंगेर, भागलपुर एवं कटिहार
2.	प्रभावित प्रखण्डों की संख्या –	79
3.	प्रभावित पंचायतों की संख्या –	613
4.	प्रभावित गांवों की संख्या –	2189
5.	प्रभावित जनंसख्या –	40.00 लाख मनुष्य, 3.90 लाख पशु
6.	निष्क्रमित आबादी –	03.17 लाख
7.	प्रभावित क्षेत्रफल–	आकलन किया जा रहा है।
8.	प्रभावित फसलों का रकवा –	आकलन किया जा रहा है।
9.	फसल क्षति का अनुमानित मूल्य–	आकलन किया जा रहा है।
10.	बाढ़ से मृत व्यक्तियों की संख्या –	104(भोजपुर–21, वैशाली–12, भागलपुर–5, बक्सर–1, लखीसराय–6, समस्तीपुर–15, खगड़िया–10, सारण–11, मुंगेर–1, बेगूसराय–11, पटना–11)
11.	बाढ़ से मृत पशु की संख्या –	86
12.	गृह क्षति (अबतक प्राप्त सूचनानुसार) –	(i) पक्का– आंशिक–04 पूर्ण–शून्य

(ii) कच्चा– आंशिक–3028 पूर्ण–461

(iii) झोपड़ी– 249

13. क्षतिग्रस्त गृहों का अनुमानित मूल्य – आकलन किया जा रहा है।

14. क्षतिग्रस्त सार्वजनिक सम्पत्ति का अनुमानित मूल्य – आकलन किया जा रहा है।

15. परिचालित किये गए नावों की संख्या – 2973

16. चलाए गये राहत कैम्पों की संख्या – 378

17. शिविरों में रह रहे लोगों की संख्या – 1.98 लाख

18. चिकित्सा दलों की संख्या – 589

19. चलाये गए पशु शिविरों की संख्या – 210

20. अबतक प्राप्त सूचनानुसार सूखा राहत वितरण का विवरण–

चूड़ा–17497 क्वीं0, गूड़–3576 क्वीं0, सत्तु–334 क्वीं0, दीया– सलाई–296020 पैकेट, मोमवत्ती–159732 पैकेट, पॉलिथिन शीट्स–114415 एवं ड्राई फूड पैकेट–409467

जल संसाधन विभाग से प्राप्त सूचना के अनुसार नदियाँ, जो खतरे के निशान से उपर बह रही है, वे हैं:– कमलाबलान झंझारपुर में (DL 50.00, AL 50.86) कोसी– बालतारा (खगड़िया) में (DL 33.85, AL 34.69), शेष सभी नदियाँ खतरे के निशान से नीचे बह रही है।